आप किस समूह में हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

यदि प्रभु यीशु आज ही लौट आएँ, तो हर व्यक्ति तीन आत्मिक “समूहों” में से किसी एक में पाया जाएगा। ये समूह दर्शाते हैं कि मनुष्य परमेश्वर की छुटकारे की योजना से कैसे संबंधित हैं। ये समूह हनोक, नूह और लूत के जीवन का प्रतिबिंब हैं। यह समझना बहुत ज़रूरी है कि आप किस समूह में हैं, क्योंकि आज आपने परमेश्वर के प्रति जो उत्तर दिया है, वही भविष्य में मसीह की वापसी के समय आपका भाग्य तय करेगा।

बहुत से लोग मानते हैं कि केवल यीशु को अपने मुँह से स्वीकार करना ही उन्हें रैप्चर (उठाए जाने) में स्थान दिला देगा। लेकिन बाइबल सिखाती है कि हर वह व्यक्ति जो मसीह का नाम लेता है, आवश्यक नहीं कि वह उस समय उठाया जाएगा जब वह अपनी दुल्हन के लिए आएगा (मत्ती 7:21–23)। ये कठोर सत्य हमें इन अंतिम दिनों में सच्चे विश्वास और पवित्रता के लिए जाग्रत करने के लिए हैं।

1. हनोक का समूह – उठा ली गई कलीसिया (मसीह की दुल्हन)

थियोलॉजिकल पृष्ठभूमि:
हनोक उन विश्वासियों का प्रतिनिधित्व करता है जो परमेश्वर के साथ इतनी निकटता से चलते हैं कि मृत्यु देखे बिना सीधे स्वर्ग में उठा लिए जाते हैं। बाइबल की दृष्टि में हनोक उस कलीसिया का प्रतीक है जिसे महाकष्ट (Great Tribulation) से पहले उठा लिया जाएगा (1 थिस्सलुनीकियों 4:16–17)।

आप किस समूह में हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

इब्रानियों 11:5 (ERV-HI):
“विश्वास के कारण हनोक को स्वर्ग उठा लिया गया, जिससे कि वह मृत्यु को न देखे… और उसके विषय में यह गवाही दी गई थी कि
उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया था।”

उत्पत्ति 5:24 (ERV-HI):
“हनोक परमेश्वर के साथ चला करता था। फिर वह लोप हो गया,
क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया।”

हनोक एक भ्रष्ट संसार में भी 300 वर्षों तक पवित्रता और परमेश्वर के साथ निकटता में चलता रहा।

आज के समय में यह समूह उन विश्वासियों का है जो यीशु मसीह के साथ आज्ञाकारिता और आत्मिक निकटता में चलते हैं। ये वही समझदार कुँवारियाँ हैं जिनका ज़िक्र मत्ती 25:1–13 में किया गया है। वे अपनी दीपकों (जीवनों) में तेल (पवित्र आत्मा) से भरे हुए रहती हैं और दूल्हे के आने पर तैयार पाई जाती हैं।

आप किस समूह में हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

प्रकाशितवाक्य 3:10 (ERV-HI):
“क्योंकि तुमने मेरे साथ धीरज से बने रहने की आज्ञा को माना
है, मैं भी तुम्हें उस कठिन परीक्षा की घड़ी से बचाऊँगा जो
सारी पृथ्वी पर आने वाली है।”

ये वे विश्वासी हैं जो पहली पुनरुत्थान में भाग लेंगे और मसीह के साथ उसके सहस्रवर्षीय राज्य (Millennial Kingdom) में राज्य करेंगे (प्रकाशितवाक्य 20:6)। उनका अनन्त घर नया यरूशलेम होगा (प्रकाशितवाक्य 21:2), और वे परमेश्वर के राजा और याजक कहलाएँगे (प्रकाशितवाक्य 1:6)।

Share on:
WhatsApp